केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २०१४ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१४ **समय : दौपहर २.०० से ५.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

३. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

४. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''प्रयत्न करो सत्संग होगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''इसमें तेरा नाम तो नहीं है ।''

३. ''रोज तो जल्दी आ जाते हो, आज कहाँ रुके रहे ?''

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **(९)**

१. गुणातीत संतरूप गुरु भी ध्यान करने योग्य हैं ।

२. तमाम सत्संगी को माता-पिता तथा रोग से पीड़ित व्यक्ति की सेवा करनी चाहिए ।

३. भारत के तीर्थस्थान हमारे इतिहास के जीवित प्रतिनिधि हैं ।

४. प्रकट भगवान जेठा मेर के घर पधारे ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. मानसी पूजा **अथवा** २. आज्ञा

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. कृपानंद स्वामी **अथवा** ४. राजाभाई

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. कौन से तीन दोष हमें सत्संग से गिरा देते हैं ?

.....

.....

२. मूलजी और कृष्णजी किस गाँव के थे ?

३. सत्संगियों को अपनी आय का कितना भाग किस परिस्थिति में ठाकुरजी को अर्पण करना चाहिए ?

४. आश्रम में अचानक दिव्य प्रकाश क्यों फैलने लगा ?

५. सोमला खाचर के साथ कौन सी हृदय विदारक घटना घटी ?

६. मगनभाई का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? (संवत् , मास, तिथि)

प्र. ५ 'कभी अपने आपको दु:खी .....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५)**

विषय : बंधिया के डोसाभाई

१. संसार तुम्हें बांध नहीं सकता । **२.** दुकान तुम्हें बांध नहीं सकती । **३.** महाराज की चिट्ठी पढ़ते ही डोसाभाई ने त्यागी के वस्त्र धारण कर लिए । **४.** मुक्तानन्द स्वामी की चिट्ठी पढ़ते ही डोसाभाई ने त्यागी के वस्त्र धारण कर लिए । **५.** डोसाभाई पटेल जाति के थे । **६.** डोसाभाई वणिक जाति के थे । **७.** डोसाभाई चीनी की गाड़ियाँ तुलवा रहे थे । **८.** रामानंद स्वामी के अनन्य शिष्य थे । **९.** पहले विसनगर गाँव में रहते थे । **१०.** हमारे भक्तराज डोसाभाई क्या कर रहे हैं ?

केवल नंबर – ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. पचरंगी पुष्पनां .....

.....

..... कष्ट हरता ।

२. वहाला तारा उरमां ..... छेलडा रे लोल ।

३. महाबलवंत माया ..... समजुं अलौकिक ख्याल ।

४. काल माया पुरुष ! ..... अहं नमामि ।

प्र. ८ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(६)**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री तीर्थकृते नमः .....

.....

..... ॐ श्री तपः प्रियाय नमः ॥

२. यन्नामधेयश्रवणानुकीर्तना ..... दर्शनात् ॥

३. दिव्याकृतित्व ..... शरणं प्रपद्ये ॥ - श्लोक का हिन्दी भाषांतर लिखिए ।

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आपने जब त्यागाश्रम की दीक्षा ली, तब उसके वेश की लाज रखनी चाहिए ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''ये तो देवा कुनबी का घर है और आज हमें यहाँ भोजन लेना हैं ।''

३. ''हमारे गाँव में किसी विद्वान संत को भेजें ताकि वेदांतियों की परेशानी दूर हो और गाँव में सत्संग की अभिवृद्धि हो ।''

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **(९)**

१. गुणातीतानंद स्वामी ने बातें करके पंच विषय के मूल काटे हैं ।

२. ब्रह्मानंद स्वामी को महाराज से अलग होना मुनासिब नहीं लगा ।

३. पीतांबरदास को ब्रह्मस्थिति का अनुभव हुआ ।

४. रामा हाटी ने स्वामी से पंचव्रत धारण किए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. एकात्मभाव २. मूलजी भक्त की प्रभु भजन में प्रीति

३. भक्त वत्सल

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. गोपालानंद स्वामी ने स्वामी को किस वैद्य के समान कहा ?

.....

.....

२. तुलसी दवे को स्वामी ने क्या फल दिया ?

३. उमरेठ की सभा में कौन कीर्तन बोलने लगे ?

४. भादरा और शेखपाट के मध्य शिव मंदिर में कौन से दो भक्त सत्संग की बातें करते थे ?

५. स्वामी पालकी में बैठने की मना करते हुए किस में बैठे ?

६. तरणेतर मंदिर के महंत आए तब स्वामी क्या करते थे ?

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(४)**

१. जूनागढ़ में मंदिर निर्माण का प्रारंभ । २. सद्‌गुरु कौन ? ३. वालेरा वरु ने सत्संग की दृढ़ता रखी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ :.....

.....

.....

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. निर्मानिता

(१) ☐ नवाब साहब की चांदी की पालकी लेकर अनेक भक्त स्वामी के स्वागत के लिए आए ।

(२) ☐ यह तो फटे हुए चिथड़ों में लपेटा हुआ रत्न है ।

(३) ☐ संतों को सुतरफेनी का भोजन करवाया ।

(४) ☐ बाइबल की बातें की ।

२. प्रागजी भक्त

(१) ☐ नौ दिन तक अखंड ध्यान ।

(२) ☐ नौ वर्ष तक सेवा में अपने देह की परवाह नहीं की ।

(३) ☐ गोपालानंद स्वामी का नौ वर्ष तक समागम किया ।

(४) ☐ हवेली के निर्माण में पांव से चूना कुचला ।

३. गुणातीतानंद स्वामी ने श्रीजीमहाराज को पूछे हुए चार प्रश्न ।

(१) ☐ समाधि करना ।

(२) ☐ आत्मारूप होकर रहना ।

(३) ☐ बीमारों की सेवा करना ।

(४) ☐ मन्दिर करना ।

४. मैं आपमें निरंतर रहता हूँ ।

(१) ☐ मीठा व्हाला केम विसरुं...

(२) ☐ संवत् १९२३ में श्रीजीमहाराज स्वधाम पधारे ।

(३) ☐ हमारें स्वरूप की पूर्ण महिमा सबको समझाना ।

(४) ☐ ब्रह्मतेज सूख गया है ।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना :** सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।
http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm